

नौकरानी के पति से तन की आग बुझाई-2

प्रेषिका : रीना

पिछली कहानी में आपने पढा किस तरह से उसने मुझे मेरे पति के सामने नंगी कर दिया था !

अब आगे की कहानी :

मेरे पति उससे बोले- रामप्रकाश चलो शुरू हो जाओ !

उसने बिना झिझक मेरे मम्ममे दबाने शुरू कर दिए ! मुझे बेड पे लिटा दिया ! एक एक करके मेरे मम्मों को चूसने लगा !

मेरे पति यह सब नजारा देख रहे थे ! पहले में बहुत शर्म कर रही थी पर अब धीरे धीरे में भी गर्म होने लगी थी, मेरे चुचक तन गए !

मैंने अपने पति से कहा- आप मुन्ने के पास जाकर सो जाइये, मुन्ना जाग गया तो?

वो बोले- कोई बात नहीं, जब जागेगा तो चला जाऊंगा।

मैं उन्हें वहाँ से हटाना चाहती थी ताकि मैं खुल कर करवा सकूँ, पर जब वो नहीं जा रहे थे तो मैंने कहा- मुझे आपसे शर्म आ रही है, आप जा कर सो जाइये न !

फिर उन्होंने कहा- तुम यह समझो कि मैं यहाँ पर हूँ ही नहीं !

मैंने कहा- आपको देख के क्या मिलेगा, सुबह आपने ड्यूटी भी जाना है !

वो बोले- आज मैं भी तुम्हारी लूँगा पर पहले तुम इससे करवा लो, मुझे भी जोश आ जायेगा !

मैंने रामप्रकाश की तरफ देखा, फिर वो मेरे पति को धीरे से समझाने लगा- बाबूजी आपके सामने इसे मजा नहीं आएगा, इसलिए आप बाहर से ही चुपचाप देख लीजियेगा !

मेरे पति मान गए और बाहर चले गए। मैंने रामप्रकाश से पूछा- तुमने उनको क्या कहा?

वो बोला- बस समझा दिया !

उसने फिर मुझे लिटा कर मेरे एक मम्ममे को मुंह में भर लिया और दूसरे मम्ममे को हाथ में पकड़ लिया। मुझे नहीं पता था कि बाहर मेरे पति यह सबकुछ देख रहे हैं !

मैंने कहा- रामू आज तो पकड़े गए ! पर वो कितने अच्छे हैं, कुछ भी नहीं कहा !

रामू अब भी मेरे दूध पीये जा रहा था, धीरे से वो उठा और अपना लिंग मेरे मुंह की ओर बढ़ा दिया। मैंने बिना आनाकानी के उसका लिंग अपने मुंह में ले लिया और चूस चूस के उसको तैयार कर लिया। एकदम तन चूका था उसका, जिसकी मैं दीवानी हो गई थी। फिर उसने मेरी योनि को चाट-चाट के उसका लिंग लेने को तैयार कर लिया। मैं अपने बेचारे पति के बारे में सोच रही थी, तभी उसने मेरे योनि में अपना लिंग प्रवेश कर दिया।

एक घण्टे तक वो मर्द मेरी लेता रहा, मैं तीन बार झड़ चुकी थी, लेकिन वो रुकने का नाम ही नहीं लेता था। मेरी तो हड्डी पसली उसने एक कर दी थी।

मैं उससे बस यही कहे जा रही थी- बस आआआआअहहहह रामू बस ! अब छोड़ दो ! ऊहह !

पर वो कहाँ मानने वाला था, वो जोर जोर से मेरी लिए जा रहा था। जब मैं चौथी बार झड़ी तब जा के उसने उसने अपना वीर्य मुझ पे उड़ेला। मैं थक के टूट चुकी थी, यही मैं चाहती थी। उसी वक़्त मेरे पति अंदर आ गए, बोले- वाह ! मेरी जान को बहुत मजा आया !

मैंने पूछा- आप कहाँ थे?

तो उन्होंने कहा- मैं बाहर सब कुछ देख रहा था !
फिर बोले- मेरी जान मुझे भी जोश आ गया है, अब मैं भी तुम्हारी लूंगा !
मैंने कहा- नहीं डीयर राज ! आज नहीं, आज मैं बहुत थक गई हूँ !
वो बेचारे कुछ नहीं बोले, पर मैं क्या करती ! बस उनकी बाहों में जा के लिपट के सो गई।

reenachd2001@yahoo.com

०४ जनवरी, २०१०

तम्बाकू से कैंसर होता है !

